भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4796
28 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अंतर्गत चिकित्सा अनुसंधान केंद्र

4796. श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावाः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में किया जा रहा जैव चिकित्सा अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अंतर्गत चलाए जा रहे चिकित्सा अनुसंधान केंद्रों का राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्रवार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का इन अनुसंधान केंद्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक उन्नत बनाने का विचार है और क्या चिकित्सा क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी कार्यान्वित करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ):स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) जैव चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डीएचआर ने देश भर के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों में 165 वायरल अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल), 113 बहुविषयक अनुसंधान इकाइयों (एमआरयू) और 35 मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों (एमआरएचआरयू) के नेटवर्क के माध्यम से अनुसंधान की क्षमता और अवसंरचना को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डीएचआर के एक संलग्न कार्यालय स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन (एचटीए) द्वारा लागत और चिकित्सकीय रूप से प्रभावी स्वास्थ्य हस्तक्षेप को अपनाने में सहायता की जाती है।

डीएचआर के तहत जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए भारत का शीर्ष निकाय भारतीय **आयुर्विज्ञान** अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के साथ संरेखित अनुसंधान **का नियमन** करता है, समन्वय करता है और बढ़ावा देता है। आईसीएमआर के नेतृत्व में और देश में किए गए जैव चिकित्सा अनुसंधान अपनी प्रक्रियाओं, परिणामों और वैश्विक मान्यता में अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हैं।

1. **प्रक्रिया**

i. आईसीएमआर की अनुदान-निर्माण प्रक्रिया विश्वस्तरीय होने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिसमें एक कठोर सहकर्मी-समीक्षा प्रणाली शामिल है जो वैज्ञानिक उत्कृष्टता और पारदर्शिता को बनाए रखती है। शोध प्रस्तावों का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञों के पैनल द्वारा बहु-स्तरीय मूल्यांकन किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उच्च-गुणवत्ता वाले और प्रभावशाली अध्ययनों को ही वित्त पोषण मिले। यह प्रक्रिया पूर्वाग्रहों को समाप्त करती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकताओं को संरेखित करती है ताकि जैव चिकित्सा विज्ञान में सार्थक योगदान दिया जा सके।

ii. क्लीनिकल ट्रायल रजिस्ट्री ऑफ इंडिया (CTRI) एक और महत्वपूर्ण स्तंभ है जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। यह देश में किए जाने वाले सभी क्लीनिकल ट्रायल के पंजीकरण को अनिवार्य बनाता है, जिससे पूर्ण पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक अनुपालन सुनिश्चित होता है।

iii. देश में बायोमेडिकल शोध की विश्वसनीयता और नैतिक अखंडता को बनाए रखने में बायोएथिक्स की केंद्रीय भूमिका है। आईसीएमआर ने व्यापक बायोएथिक्स दिशा-निर्देश स्थापित किए हैं जो मानव प्रतिभागियों से जुड़े शोध के सभी पहलुओं को नियंत्रित करते हैं।

iv. जैव चिकित्सा अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र प्रतिस्पर्धी अनुदान आकारों द्वारा मजबूत किया जाता है जो अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण मानकों से मेल खाते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि शोधकर्ताओं के पास बड़े पैमाने पर, उच्च-प्रभाव वाले अध्ययन करने, नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान में सार्थक योगदान करने के लिए आवश्यक संसाधनों तक पहुँच हो।

2. आउटकम

वर्ष 2023-24 में आईसीएमआर का अनुसंधान आउटकम अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बराबर है और यह उच्च प्रभाव वाले प्रकाशनों, पेटेंटों, नवीन उत्पादों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में परिलक्षित होता है।

i. **प्रकाशन**: वैज्ञानिक लगातार शीर्ष स्तरीय सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशन करते हैं। 2023 -24 में, ICMR के 10.4% प्रकाशन (3300) शीर्ष 10%, सहकर्मी समीक्षा वाली पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य, दीर्घकालीन रोग प्रबंधन और पर्यावरण विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध का संकेत देते हैं। ICMR का जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रभावशाली नवाचारों को आगे बढ़ाता है और वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों को आकार देता है।

ii. **पेटेंट:** आईसीएमआर ने 29 भारतीय पेटेंट, 6 डिजाइन आवेदन, 9 कॉपीराइट आवेदन, 4 ट्रेडमार्क आवेदन और 4 विदेशी पेटेंट दाखिल किए हैं, साथ ही पहले से दाखिल किए गए 24 भारतीय पेटेंट और 4 विदेशी पेटेंट भी हासिल किए हैं।

iii. हाल के वर्षों के कुछ परिणाम संक्षेप में इस प्रकार हैं:

क) **कोविड-19 महामारी:** आईसीएमआर ने बहुत ही कम समय में कोविड-19 जांच के लिए बुनियादी ढांचे को एकमात्र प्रयोगशाला से बढ़ाकर 2,000 से अधिक प्रयोगशालाओं तक कर दिया और ट्रूनेट

तथा कोविड कवच एलिसा जैसे किफायती निदान विकसित किए हैं। परिषद देश में सबसे पहले SARS-CoV2 जीनोम का अनुक्रमण करने वाली संस्था थी।

ख) **वैक्सीन विकास:** स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन का विकास किया।

ग) **रोग उन्मूलन:** आईसीएमआर ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों द्वारा प्राथमिकता वाले रोगों जैसे तपेदिक, मलेरिया, लीशमैनिया आदि पर लक्षित अनुसंधान करके रोग उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईसीएमआर ने रोकथाम, निदान और उपचार के लिए अभिनव समाधान विकसित किए हैं।

घ) **असंचारी रोग:** आईसीएमआर देश में असंचारी रोगों की निगरानी और समाधान के लिए भारत उच्च रक्तचाप नियंत्रण पहल (आईएचसीआई), मिशन दिल्ली और मोबाइल स्ट्रोक यूनिट जैसे नवीन, डिजिटल रूप से सक्षम समाधानों का उपयोग कर रहा है।

ङ) **प्रकोप की तत्परता**: वायरल अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल) नेटवर्क के माध्यम से महामारी का प्रबंधन करने की बढ़ी हुई क्षमता और मंकी पॉक्स, निपाह, जीका और कोविड-19 जैसे प्रकोप/महामारी जांच के लिए व्यापक समाधान किया। गिर शेरों में निपाह, जीका और कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) के प्रकोप को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया। रोग के प्रकोप के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में मानकीकृत सीवेज निगरानी की गई।

3. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान

i. आईसीएमआर के दस संस्थानों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र होने की प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और जैव-चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने में उनके वैश्विक प्रभाव को बल मिला है।

ii. आईसीएमआर ने वैश्विक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं पर अनुसंधान को संयुक्त रूप से वित्तपोषित करने और संचालित करने के लिए कई देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इनमें भारत-अमेरिका, भारत-स्वीडन और भारत-जर्मनी सहयोग उल्लेखनीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देते हैं और वैज्ञानिक सफलताओं को आगे बढ़ाते हैं।

iii. **पुरस्कार एवं** सम्मान**:**

1. आईसीएमआर ने 21 सितंबर 2022 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान भारत उच्च रक्तचाप नियंत्रण पहल के लिए 2022 यूएन अंतर-एजेंसी टास्क फोर्स और डब्ल्यूएचओ विशेष कार्यक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पुरस्कार जीता। इसे नवंबर 2017 में शुरू किया गया, यह 21 राज्यों के 104 जिलों को कवर करता है और 15,420 स्वास्थ्य सुविधाओं में 23 लाख से अधिक रोगियों का नामांकन किया गया है।

2. आईसीएमआर को असंचारी रोगों और मानसिक स्वास्थ्य की रोकथाम और नियंत्रण तथा व्यापक एनसीडी-संबंधित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर बहु-क्षेत्रीय कार्रवाई को आगे बढ़ाने में उपलब्धियों के लिए प्रतिष्ठित 2024 संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी टास्क फोर्स पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अंतर्गत चिकित्सा अनुसंधान केंद्रों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण अनुलग्नक-क में दिया गया है।

*****

अनुलग्नक- क

आईसीएमआर के संस्थानों का विवरण

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्थान का नाम	स्थान
1	अंडमान और निकोबार	आईसीएमआर क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, श्री विजयपुरम (आईसीएमआर-आरएमआरसीएसवीपी)	श्री विजय पुरम
2	असम	आईसीएमआर क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, एनई क्षेत्र (आईसीएमआर-आरएमआरसीएनई)	डिब्रूगढ़
3	बिहार	आईसीएमआर राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आईसीएमआर -आरएमआरआईएमएस)	पटना
4	दिल्ली	आईसीएमआर राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य और डेटा विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरडीएचडीएस)	दिल्ली
5	दिल्ली	आईसीएमआर राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएमआर)	दिल्ली
6	दिल्ली	आईसीएमआर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य एवं विकास अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईसीएचडीआर)	दिल्ली
7	गुजरात	आईसीएमआर राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान	अहमदाबाद
8	कर्नाटक	आईसीएमआर राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान (आईसीएमआर-एनआईटीएम)	बेलगावी
9	कर्नाटक	आईसीएमआर राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (आईसीएमआर-एनसीडीआईआर)	बेंगलुरु
10	मध्य प्रदेश	आईसीएमआर राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरईएच)	भोपाल
11	मध्य प्रदेश	आईसीएमआर भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर बीएमएचआरसी (आईसीएमआर-बीएमएचआरसी)	भोपाल
12	मध्य प्रदेश	आईसीएमआर राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरटीएच)	जबलपुर
13	महाराष्ट्र	आईसीएमआर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहेमेटोलॉजी (आईसीएमआर-एनआईआईएच)	मुंबई
14	महाराष्ट्र	आईसीएमआर राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरआरसीएच)	मुंबई
15	महाराष्ट्र	आईसीएमआर राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईवी)	पुणे
16	महाराष्ट्र	आईसीएमआर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसलेशनल वायरोलॉजी एंड एड्स रिसर्च (आईसीएमआर-एनआईटीवीएआर)	पुणे
17	महाराष्ट्र	आईसीएमआर राष्ट्रीय वन हेल्थ (One Health) संस्थान	नागपुर
18	उड़ीसा	आईसीएमआर क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र भुवनेश्वर (आईसीएमआर-आरएमआरसीबीवी)	भुवनेश्वर
19	पुदुचेरी	आईसीएमआर वेक्टर नियंत्रण अनुसंधान केंद्र (आईसीएमआर-वीसीआरसी)	पुदुचेरी
20	राजस्थान	आईसीएमआर राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग कार्यान्वयन अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआईआरएनसीडी)	जोधपुर
21	तमिलनाडु	आईसीएमआर राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरटी)	चेन्नई
22	तमिलनाडु	आईसीएमआर राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईई)	चेन्नई
23	तेलंगाना	आईसीएमआर राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन)	हैदराबाद
24	तेलंगाना	राष्ट्रीय जैव आयुर्विज्ञान अनुसंधान जंतु संसाधन सुविधा (आईसीएमआर-एनएआरएफबीआर)	हैदराबाद
25	उत्तर प्रदेश	आईसीएमआर राष्ट्रीय जालमा कुष्ठ एवं अन्य माइकोबैक्टीरियल रोग संस्थान (आईसीएमआर-एनजेआईएलओएमडी)	आगरा
26	उत्तर प्रदेश	आईसीएमआर क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र गोरखपुर (आईसीएमआर-आरएमआरसीजीकेपी)	गोरखपुर
27	उत्तर प्रदेश	आईसीएमआर राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईसीपीआर)	नोएडा
28	पश्चिम बंगाल	आईसीएमआर राष्ट्रीय जीवाणु संक्रमण अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरबीआई)	कोलकाता

*****